Devavani Se Desha Ka Kalyana

देववाणी से देश का कल्याण

Document Information

Text title : Devavani Se Desha Ka Kalyana

File name : devavANIsedeshakAkalyANa.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

Devavani Se Desha Ka Kalyana

देववाणी से देश का कल्याण

देववाणी के उदय से देश का कल्याण होगा,
राष्ट्र का फिर से हमारे दिव्य नवनिर्माण होगा । ०
फिर हमारे देश में जब साम का मधुगान होगा,
और गीता का मधुर उपदेश अमृत-पान होगा,
नित्य प्रातः प्रणव का जप-योग सन्ध्याध्यान होगा,
धर्म-नीति-सुभाषितों का प्रचुर पाठ विधान होगा,
देश का तब दुर्विचारों से सुनिश्चित त्राण होगा,
राष्ट्र का फिर से हमारे दिव्य नवनिर्माण होगा । १
प्रानिवर्य्यं महर्षियों की प्रेरणावाणी पढेंगे-
जब हमारे युवक, निश्चित सौ कदम आगे बढ़ेंगे ।
जब यहाँ वेदान्त के अद्वैत का उद्घोष होगा,
देश सब सङ्कीर्णताओं से रहित निर्दोष होगा ।
देश-उन्नति के लिए यह तत्त्व ही बस प्राण होगा,
राष्ट्र का फिर से हमारे दिव्य नवनिर्माण होगा । २

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Devavani Se Desha Ka Kalyana
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*